विश्व न्याय मन्दिर

18 मार्च, 2009

प्रभुधर्म के पालने के अनुयायियों को

परमप्रिय मित्रगण,

उपवास के इन दिनों में हमारे हृदय दुःख से भर उठे हैं क्योंकि कठिन परीक्षाओं के दौर से गुज़र रहे आप एक बार फिर दमन के शिकार हुये हैं। फिर भी आपका साहस देखने लायक है और पूरी दुनिया में जो आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है वह हमें प्रोत्साहन दे जाता है। पूरी दुनिया में प्रभुधर्म इस कारण ही उपलब्धियों के सोपान चढ़ रहा है। जनसामान्य में आपके लिये जिस समर्थन के स्वर उभरने लगे हैं वह आपके देश से कम नहीं और यह हमारे दिलों को खुशी देते हैं। यारान और खादिमिन के समिति के रूप में काम-काज करने को बंद करने की बात मान कर आपने एक बार फिर अधिकारियों को यह दिखला दिया है कि आपके रास्ते झगड़े और विवाद के नहीं हैं। आप जो चाहते हैं वह यह कि आप अपने धर्म की शिक्षाओं के अनुसार अपने देश और मानवजाति की सेवा कर सकें। आपके ऊपर लगाये गये प्रतिबंध यह नहीं सिद्ध करते हैं कि आप अपनी आध्यात्मिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में हिचकिचायेंगे।

अतीत के धर्मों पर थोड़ी देर के लिये विचार करें। हर युग में किस प्रकार ईश्वर के धर्म को दुश्मनी और दमन का सामना करना पड़ा है। इस पर भी विचार करें कि इस युग में प्रभुधर्म को दबाने और कुचलने की कितनी नाकाम कोशिशें की गईं और किस प्रकार प्रभुधर्म विकास की राह पर बढ़ता चला गया, किस प्रकार एक नई ऊर्जा इसके समर्थकों को मिली। इसलिये, ईश्वर की इच्छा बराबर यह रही है कि शीत ऋतु की ठिठुराहट और मर्माहत कर देने वाली जड़ बनी इच्छा को वसंत का वैभव मिले। अब्दुलबहा ने कहा है-"बादलों का क्रन्दन गुलाब को मुस्कुराहट देता है और बादलों की गड़गड़ाहट कोकिला की कूक का संकेत बनती है। ठंढ की सघनता नवजीवन को सौन्दर्य प्रदान करती है और वर्षा की शीतल बूंदें बगिया के फूलों को खिलने में मदद करती हैं।"

यह अनुकूल प्रतीत होता है कि उथल-पुथल भरे इस समय में अनुयायी और भी दृढ़ता के साथ एकजुट हो जायें और एक-दूसरे की मदद करें। जो नया रास्ता अब आपके सामने खुला नज़र आता है उस पर कदम बढ़ाने से पहले दो बातों का ध्यान आपको रखना होगा। एक ओर, आपको यारान और खादिमिन के इस निर्णय का सम्मान करना है कि वे एक सभा अथवा समिति के रूप में काम नहीं करेंगे और दूसरी ओर बहाउल्लाह के लिये अपने दिलों में असीम प्यार और पिछले एक सौ पैंसठ सालों के दौरान आपने शूरवीरों द्वारा किये गये त्याग तथा बलिदान को याद करते हुये संविदा की रचनात्मक शक्ति पर भरोसा करना होगा। आपको अपने आध्यात्मिक जीवन और सामाजिक सरोकार को सही दिशा देते हुये अपने सह नागरिकों की सेवा के पथ पर साथ-साथ आगे

बढ़ते रहना होगा। इस सम्बन्ध में 5 मार्च 2009 के हमारे संदेश में व्यक्त विश्वास दोगुना तब हो गया जब हमने हाल ही ईरान के बहाई युवा और किरमान के भूतपूर्व खादिमिन के पत्र पढ़े।

प्रिय मित्रगण, आपको जिस रास्ते पर चलना चाहिये उस पर चलते हुये धैर्य और दृढ़ विश्वास ही वह शक्ति होगी जो आपको आगे की ओर बढ़ाती रहेगी, ईश्वर पर भरोसा, संविदा में दृढ़ता और कार्य की निरन्तरता आपके लिये आध्यात्मिक भोजन है जो आपको बराबर तरोताज़ा रखता है, एकता और एक-दूसरे की मदद वह आदर्श होगा जिसका अनुसरण आपको करना है, ईश-साम्राज्य की सम्पुष्टि आपकी सुरक्षा करेगी, आप एक ऐसी भूमि की तलाश में हैं जहां शांति और सहमति का साम्राज्य हो और ईश्वर से निकटता तथा कभी न खत्म होने वाली खुशी और इज्ज़त ही वह ईनाम होगा जिसकी ख्वाहिश आपको होनी चाहिये। अपने इरादों को मजबूत करें और वीरता तथा विवेक का कवच धारण करें। इस प्रकार, एक नई स्फूर्ति, एक नये उत्साह से आप अपने जीवन के सही उद्देश्य को पायेंगे और उस ईश्वरीय नीड़ में निवास करेंगे जो स्वर्गिक वृक्ष पर स्थित है।

यह जानकर खुशी होती है कि बहाई परिवारों के बीच इस विषय पर चर्चा अब आम हो रही है कि किस प्रकार वे अपने व्यक्तिगत और सामाजिक काम-काज को निबटा सकते हैं। परामर्श जो कि बहाई जीवन का इतना महत्वपूर्ण विषय है, बहाई धर्म का एक मौलिक सिद्धांत है। इसे इस्तेमाल में लाना न केवल बहाई संस्थाओं, परिवारों और व्यक्तिगत रूप से अनुयायियों के बीच सीमित है, बल्कि इसका आदेश सभी मामलों के लिये दिया गया है। आपको इस बात के लिये आश्वस्त होना चाहिये कि बहाई परिवारों के बीच परामर्श को बढ़ावा देना आपके सामुदायिक स्तर की परिपक्वता को बढ़ायेगा और इसके प्रभाव को व्यापक बनायेगा जिससे आप सेवा के अपने क्षेत्र को और भी विस्तार दे पायेंगे। एक-दूसरे के लिये प्रोत्साहन और नैतिक बल के साधन बनें और इस बात की कोशिश करें परिवारों के बीच अधिक-से-अधिक निर्णय लिये जा सकें। अपने बच्चों को नैतिक शिक्षा देने और स्वयं पावन वचनों के अध्ययन करते रहने की निरन्तर कोशिश करें। आपकी एकजुटता की ताकत ऐसी होनी चाहिये कि आपका बुरा चाहने वाले आपके बीच फूट पैदा करने में असमर्थ हो जायें। दुनिया भर में अपने आध्यात्मिक बंधु-बांधवों के क्रियाकलापों की खबर रखें और यारान तथा खादिमिन की गतिविधियों के बंद हो जाने से अपने को अलग-थलग महसूस न करें। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर हमसे सम्पर्क करने में हिचकिचायें नहीं, बहाई संस्थाओं की शक्ति में भरोसा रखें और ईरान के बाहर रह रहे मित्रों तथा परिवारों की सहायता से सम्बलित रहें।

प्रभुधर्म के प्रति निष्ठा में खरे आप साहसी शूरवीरों को हम पवित्र समाधियों में याद करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि देवदूत आपकी सहायता को आतुर हों।

-विश्व न्याय मन्दिर